



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 21] नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 31, 1990/माघ 11, 1911
No. 21] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 31, 1990/MAGHA 11, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

सारणीकृत संश्लेष

नियमित व्यापार नियंत्रण

सामाजिक सूचना सं. 7-ई डी सी (पीएन)/90

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1990

विषय :—गेहूं के बोकर का निर्यात।

फाईल सं. 40/1/90-ई-2 :—आयात-निर्यात नीति, 1988-91 (खण्ड-दो) के परिशिष्ट 4 की सूची 1 (भाग "ख" का क्रम सं. 2089 (3) का क्रम सं. 6 (3) की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है, उक्त नीति पुस्तक के भाग-5 के पैराग्राफ 4-6 में निहित प्रक्रिया की शर्तोंनुसार गेहूं के बोकर का निर्यात सीमित सीमा में अनुमति है।

2 यह निर्णय लिया गया है कि उक्त नीति पुस्तक के भाग-1, के पैरा 1: (3) की शर्तोंनुसार गेहूं के बोकर के निर्यात हेतु एक विशेष प्रक्रिया प्रयोग में लाई जाए :—

- (1) गेहूं के बोकर के निर्यात के लिए सीमा को कृषि एवं संसाधन खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, नई दिल्ली (ए पी ई डी ए) के नियंत्रण पर छोड़ा जाएगा।

- (2) नियमितकों में यह प्रस्ताव किया जाता है कि वे अपनी सदियों की ए पी ई डी ए के पास पंजीकृत करवाएं जो कि 100% अपरिवर्तनीय साख-पत्र द्वारा अनुमति प्राप्त हों।
- (3) निर्यातक को निर्यात नीति 1988-91 (खण्ड दो) के भाग-6 में निर्धारित बाण्ड द्वारा सरकार के पक्ष में ए पी ई डी ए के साथ अपरिवर्तनीय साख-पत्र के घुसवार जहाज पर्यस्त निशुल्क मूल्य के एक प्रतिशत के समान एक बैंक गारन्टी प्रस्तुत करनी होगी।
- (4) ए पी ई डी ए किसी भी वैयक्तिक निर्यातक को कुल उपलब्ध सीमा के 10 प्रतिशत से अधिक की मात्रा आर्डर नहीं करेगा।
- (5) उक्त शर्तों की पूर्ति पर ए पी ई डी ए नियमितकों को पहले आगो, पहले पाओ के आधार पर मौलिक स्तरों जारी करेगा जिसमें पूर्ण बिकरण जैसे नियमित का नाम, संख्या और आदेश की तारीख एवं अपरिवर्तनीय साख-पत्र, अनुमति मात्रा, जहाज पर्यस्त निशुल्क मूल्य और गणतन्त्र स्थान को दर्शाया जाएगा।
- (6) ए पी ई डी ए, बैंक गारन्टी सहित रिलीज बीजक को सम्बन्धित लाइसेंस प्राधिकारी को भेजेगा जो ए पी ई डी ए

से इसकी प्राप्ति पर इस बात के सुनिश्चित करेगा कि 31 मार्च, 1990 तक की वैध श्रद्धा के लिए एक निर्यात लाइसेंस 48 घंटे के अन्दर जारी कर दिया जाए।

(7) समस्त निर्यात, लाइसेंस की वैध श्रद्धा के भीतर किया जाएगा, ऐसा न करने पर भारत सरकार द्वारा बैंक गारन्टी को जप्त कर दिया जाएगा।

(8) 31 मार्च, 1990 के उपरान्त किसी भी संविदा का पंजीकरण नहीं किया जाएगा और न ही ए पी ई सी ए द्वारा कोई निर्यात ही अनुमति दिया जाएगा वही सीलिंग क्रमांक समायुक्त ही रह गई हो।

3. जैसे ही सीमा सहायता ही जाएगी ए पी ई सी ए इस तथ्य की रिपोर्ट बाणिज्य मंत्रालय ई पी (कृषि-2) अनुभाग को देगा।

4. ए पी ई सी ए द्वारा एक मासिक विवरण जिसमें पूर्ण विवरण जैसे निर्यात का नाम, अनुमति मात्रा, जहाज पर्यन्त निर्यात मूल्य और गन्तव्य स्थान को दर्शाते हुए उसे बाणिज्य मंत्रालय, ई पी (कृषि-2) अनुभाग को प्रस्तुत करेगा जिसकी प्रति इस कार्यालय के सचिवकी निदेशक (श्री राम मूर्ति) को प्रेषित की जाएगी।

5. यह सार्वजनिक सूचना लोकहित में जारी की जाती है।

तेजेंद्र खन्ना, मुख्य निर्वहक, आयात-निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

EXPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NO TICE NO. 7-ETC(PN)/90

New Delhi, the 31st January, 1990

Subject :—Export of Wheat Bran

File No. 40/1/90/E-II.—Attention is invited to serial number 6(iii). List-I of Appendix 4 (Sl. No. 2089(iii) of Part 'B' of Import & Export Policy 1988—91 (Vol. II), in terms of which export of Wheat Bran is allowed against limited ceiling as per the procedure laid down at paragraphs 4-6 of Section V of the said policy book.

2. It has been decided to devise a special procedure for export of Wheat Bran in terms of para 12(3) of Section I of the said policy book—

(i). The Ceiling for export of Wheat Bran will be placed at the disposal of Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority, New Delhi (APEDA).

(ii) The exporters are required to register their contracts backed by 100 per cent Irrevocable Letter of Credit with APEDA.

(iii) Exporters will submit a Bank Guarantee equivalent to one per cent of the f.o.b. value as per Irrevocable Letter of Credit to APEDA, in favour of the Government, by bond as prescribed in Section VI of the Export Policy 1988—91 (Vol. II).

(iv) APEDA will not allocate more than 10 per cent of the total available ceiling to any individual exporter.

(v) On fulfilment of said conditions, the APEDA will issue ceiling slips to the exporters, on first-come, first-served basis, indicating full particulars such as, the name of the exporter, number and date of Order and Irrevocable Letter of Credit, quantity allowed, f.o.b. value and the destination.

(vi) APEDA shall send the release advice along with the Bank Guarantee to the concerned Port Licensing Authority, who on receipt of the same from APEDA shall ensure that an Export Licence with validity period upto 31st March, 1990 is issued within 48 hours.

(vii) Entire export will be made within the validity period of the export licence, failing which, the Bank Guarantee will be forfeited by the Government.

(viii) No registration of the contracts will be made after 31st March, 1990, nor any exports will be allowed by APEDA even if the quantity of the ceiling remains unutilised.

3. As soon as the ceiling is exhausted, APEDA will report the facts to the Ministry of Commerce, EP (Agri. II) Section.

4. A monthly statement indicating the full details, such as name of the exporters, the quantity allowed, f.o.b. value and destinations, will be furnished by APEDA to the Ministry of Commerce, EP (Agri. II) Section with a copy to the Director of Statistics (Shri Ram Murti) of this office.

5. This Public Notice is issued in the public interest.

TEJENDRA KHANNA, Chief Controller
of Imports & Export.